>

Title: Need to include the Sagar Parliamentary Constituency in Madhya Pradesh under JNNURM-2 Scheme.

श्री भूपेन्द्र सिंह (सागर): माननीय सभापति जी, हमारा जो सागर शहर है, पूरे सागर शहर के अन्दर अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्गों की आबादी अधिकांश संख्या में है। सागर में अगर हम व्यवसाय की दृष्टि से देखें तो बीड़ी और अगरबत्ती का ही मुख्य रूप से व्यापार है, व्यवसाय है। वहां अशिक्षा है, गरीबी है। इतना बड़ा शहर होने के बावजूद भी सागर शहर को आज तक, भारत सरकार के द्वारा जो जे.एन.एन.यू.आर.एम. स्कीम का फेज-टू शुरू हो रहा है, इसमें उसे सम्मिलित नहीं किया गया है।

माननीय सभापति जी, सागर की हालत यह है कि जब हमारे सागर में पेयजल का गंभीर संकट था और पीने का पानी नहीं था तो लाखा बंजारा नामक एक बंजारा था जिसने सागर की जनता की प्यास बुझाने के लिए अपने बेटे की बलि दी और बलि देकर उस स्थान पर तालाब बनाने का काम किया। वह 400 एकड़ में फैला बहुत बड़ा तालाब है। आज वह पूरा तालाब सिल्ट-अप हो गया। हमारे पूरे शहर का सीवर सिस्टम उस तालाब के अन्दर जा रहा है और कल के दिन ही लगभग एक लाख क्विंटल मछली उस तालाब के अन्दर मर गयीं क्योंकि उस तालाब में सारा सीवर जा रहा है। उसमें ऑक्सीजन खत्म हो गया और उस तालाब के अन्दर से ट्रकों में भर-भर कर मछलियां फेंकने का काम हो रहा है।

अगर हमारे तालाब का गहरीकरण होना चाहिए। वहां पर सीवर सिस्टम के लिए भारत सरकार से पैसा मिलना चाहिए। हमारे यहां सड़कें नहीं हैं। सड़कों के चौड़ीकरण करने की आवश्यकता है। परिवहन की व्यवस्था नहीं है। हमारी पूरी यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई है। वह बहुत पिछड़ा हुआ इलाका है। ...(व्यवधान) अब मैं खत्म कर रहा हूं। मैं अपनी मांगों पर आ रहा हूं।

माननीय सभापति जी, मैं चाहता हूं कि हमारे यहां रिंग रोड की आवश्यकता है, पार्किंग नहीं है, औद्योगिक विकास नहीं हो पा रहा है, कचरे का प्रबंधन नहीं है। हमारे यहां बस स्टैण्ड नहीं है। वहां पर कोई व्यवस्था नहीं है। हमारे सागर के अन्दर कोई पार्क नहीं है, स्टेडियम नहीं है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि हमारे सागर शहर को जे.एन.एन.यू.आर.एम. स्कीम के अंतर्गत फेज-टू में सम्मिलित किया जाए।